जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

10 जनवरी 2022

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने मनाया 'विश्व हिंदी दिवस'

विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर हिंदी विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया में 'हिन्दी की वैश्विक स्थिति' पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार का प्रारंभ हिंदी विभागाध्यक्ष प्रोफेसर इंदु वीरेंद्रा के द्वारा अध्यक्ष, मुख्य अतिथियों, विशिष्ट अतिथियों एवं अन्य उपस्थित साहित्य और भाषा प्रेमियों के स्वागत से हुआ।

वेबिनार के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता जामिया की प्रो वाइस चांसलर प्रोफेसर तसनीम फातिमा ने की। प्रोफेसर तसनीम ने वैश्विक स्तर पर हिंदी के पठन पाठन पर ज़ोर देते हुए इसके महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने हिंदी विभाग को इस अवसर पर बधाई एवं शुभकामनाएं भी दीं। इस दौरान डीन, मानविकी एवं भाषा संकाय प्रोफेसर मोहम्मद असदुद्दीन भी उपस्थित रहे।

भगवंत विश्वविद्यालय, राजस्थान मैं शोध निदेशक और वेबिनार के पहले वक्ता डॉक्टर संदीप अवस्थी ने रूस एवं अन्य देशों में हिंदी के बढ़ते प्रचार प्रसार पर अपना व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि हिन्दी को वैश्विक स्तर पर बहुत बड़ी पहचान मिली है। अब तो विदेशी लोग भी बड़े पैमाने पर हिन्दी सीख रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि राष्ट्रपति द्वारा भारतीय प्रवासी आवार्ड से सम्मानित 85 वर्षीय नीलू गुप्ता जी अब तक लगभग 15 हजार विदेशी मूल के लोगों को हिन्दी सिखा चुकी हैं। इससे पता चलता है कि विदेशी लोग भी बड़े स्तर पर हिन्दी सीख रहे हैं।

इसके बाद केन्द्रीय हिंदी निदेशालय की सहायक निदेशक डॉ. नूतन पांडे ने हिंदी भाषा के वर्तमान संदर्भ को विश्लेषित किया और हिंदी की सर्वव्यापकता पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा कि हमें गर्व है कि हिन्दी विश्व स्तर पर अपनी पहचान बना चुकी है। लगभग 150 देशों में हिन्दी विषय पर अध्ययन हो रहा है। विश्व के कोने-कोने में हिन्दी को पहुँचाने में प्रवासी भारतीयों का बहुत बड़ा योगदान रहा है। उन्होंने आगे कहा कि लगभग 3 करोड़ भारतीय हैं जो भारत से बाहर हिन्दी भाषा का प्रचार-प्रसार कर रहे हैं। अगर पाठ्यक्रम को थोड़ा और सरल बना दिया जाए तो विदेशी लोगों को हिन्दी सीखने में और ज्यादा आसानी होगी।

कार्यक्रम में 'हिन्दी की वैश्विक स्थिति' सत्र की अध्यक्षता कर रही केन्द्रीय हिंदी संस्थान, आगरा की निदेशक डॉक्टर बीना शर्मा ने हिंदी की जीवंतता एवं गतिशीलता पर अपनी बात रखी। उन्होंने वैश्विक संदर्भ में हिंदी के व्यापक प्रचार प्रसार को महत्वपूर्ण माना और हिंदी के ज्ञान भंडार की समृद्धता को पूर्ण माना।

वेबिनार में जामिया के हिंदी एवं अन्य विभागों से प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों ने बड़ी संख्या में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन हिंदी विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉक्टर मुकेश कुमार मिरोठा ने किया।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

HoD, Hindi, JMI
Prof. Tasneem Fatma (D/o Bioscience)
Prof. Archana Dassi (HoD, Social Work)
Dr. Anil Kumar (Associate Professor, D/o H...
Dean, Faculty of Humanities and Languag...
Director Kendriya Hindi Sansthan
Renu Shah
92 others
You

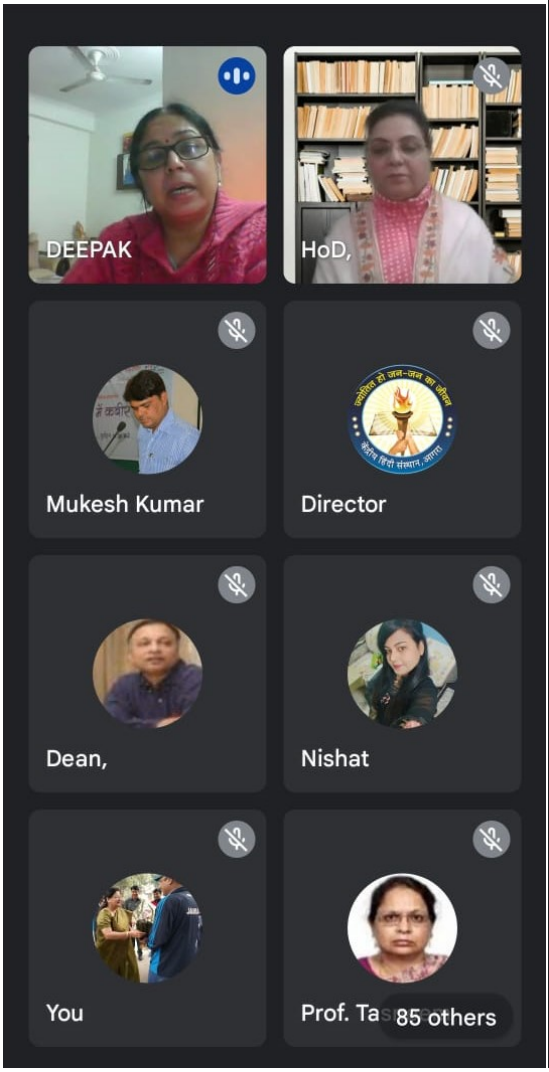
DEEPAK
HoD,
Mukesh Kumar
Director
Dean,
Nishat
You
Prof. Ta
85 others

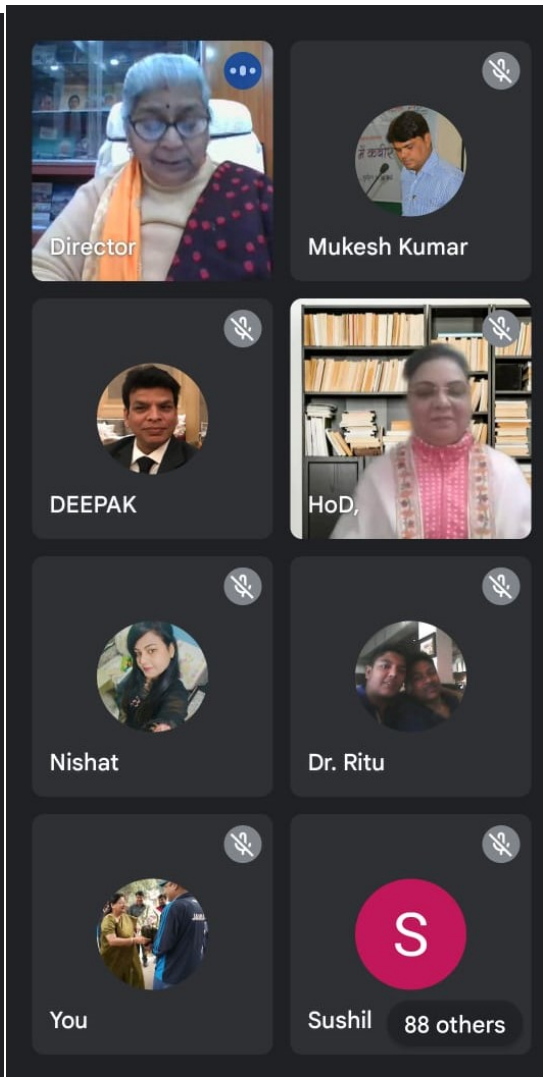
Director
Mukesh Kumar
DEEPAK
HoD,
Nishat
Dr. Ritu
You
S
Sushil
88 others